देश हमारा ज़िन्दाबाद

"सभी लोग जो यहाँ उत्पन्न हुए और जो इसे अपनी मातृभूमि समझते हैं, चाहे वे हिन्दू, मुसलमान, पारसी, ईसाई, जैन या [सि]ख, कोई भी हैं, सभी इसके एक समान हैं। इसीलिए वे सब भाई-भाई हैं उनके मध्य योजक कड़ी खून के रिश्ते [से] भी अधिक शक्तिशाली है।"

—राष्ट्र-पिता